दिखावा

नारायणगंज में शो-पीस बनीं स्कूलों और आंगनवाड़ियों में रखीं टंकियां, जल जीवन मिशन में लीपापोती, कागजों पर दौड़ रही योजना

करोड़ों रुपये खर्च के बाद भी पानी को तरस रहे बच्चे

नारायणगंज, नवभारत। मप्र शासन की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना के तहत हर स्कूल और आंगनवाड़ी तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के दावे नारायणगंज क्षेत्र में खोखले साबित हो रहे हैं। करोड़ों खर्च करने के बाद भी शासकीय भवनों में नल-जल योजना केवल दिखावे की वस्तु बनकर रह गई है।

बताया गया कि नारायणगंज ब्लाक के स्कूलों और आंगनवाड़ियों में पानी की टंकियां तो रख दी गई हैं, लेकिन उनका संचालन और रखरखाव कौन करेगा, इसकी जानकारी न तो शिक्षकों को है और न ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को। आरोप है कि बिना कार्य पूर्णता और उपयोगिता प्रमाण पत्र के ही नारायणगंज जनपद के वरिष्ठ अधिकारियों के माध्यम से फाइलों को ओके कर दिया गया, जबकि धरातल पर योजना ठप पड़ी है।

हवा में उड़ गई टंकी

प्राथमिक शाला जराहडीह के शिक्षक राजाराम ने बताया कि उनके यहाँ पानी की टंकी हवा में उड़ गई है और योजना बंद है। इसी प्रकार प्राथमिक शाला केवलारी, कापा टोला, एकीकृत हाईस्कूल मल्ठार, बंजर टोला, कॉलोनी टोला और शाला खिन्हा के शिक्षक कौशल किशोर रिजोरिया, सुफाल सिंह मरावी, शिवराज सिंह सैयाम और अन्य ने एक सुर में कहा कि बोर और टंकी तो लगा दिए गए, लेकिन इनका संचालन अधिकार और बजट किसी को नहीं पता। आंगनवाड़ी केंद्र भिलवाटोला की स्थिति भी ऐसी ही है।

अधिकारियों और ठेकेदारों की जुगलबंदी पर सवाल

क्षेत्रीय जनता का आरोप है कि अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत से शासन की योजनाओं को चूना लगाया जा रहा है। कई स्थानों पर काम अधूरा छोड़ दिया गया है, तो कहीं घटिया निर्माण के कारण उपकरण खराब हो रहे हैं। स्कूलों में पेयजल की अव्यवस्था बनी हुई है और बच्चे आज भी पानी के लिए भटकने को मजबूर हैं।

विधिवत जांच की मांग

ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच कराई जाए। दोषियों को दंडित कर हर शासकीय भवन तक सुचारु पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। क्षेत्र में चर्चा है कि यदि प्रशासन ने इस ओर ध्यान नहीं दिया, तो शासन की करोड़ों की यह योजना पूरी तरह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाएगी।

इनका कहना है

जल जीवन मिशन के तहत चार आंगनबाड़ियों में बिजली मीटर लगा दिए गए हैं, जिनका वर्तमान में कोई उपयोग नहीं हो रहा है। इसके बावजूद, नैझर, पौड़ी, पंडरी तलाई और चिमका टोला की आंगनबाड़ियों में 13 से 14 हजार रुपये तक का बिल आ गया है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का कहना है कि नल-जल योजना और पानी टंकी बंद होने के बाद भी इतना भारी बिल आ रहा है, जिसे भरने के लिए उनके पास कोई साधन नहीं है।

राम चरण मसराम
सरपंच, नैझर

मनरेगा में अब चेहरा दिखाकर लगेगी हाजिरी

डिजिटल अटेंडेंस की तैयारी, फेस आधारित उपस्थिति के लिए मेटों को दिया गया मोबाइल मॉनिटरिंग का प्रशिक्षण

नारायणगंज। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत कार्य करने वाले मजदूरों की उपस्थिति को अब और अधिक पारदर्शी और डिजिटल बनाया जा रहा है। शासन के निर्देशानुसार आगामी 23 फरवरी से मजदूरों की उपस्थिति फेस आधारित प्रणाली से ली जाएगी। इसी उद्देश्य से जनपद पंचायत नारायणगंज में कार्यरत मेटों के लिए एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

नारायणगंज सीईओ विनोद कुमार मरावी के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण में मेटों को मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम के तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण का मुख्य केंद्र मजदूरों की फेस आधारित उपस्थिति दर्ज करना था, जिससे मस्टर रोल और हाजिरी में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की गुंजाइश न रहे।

अवरोध मुक्त क्रियान्वयन की तैयारी

प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी पंकज कुमार साहू द्वारा किया गया। उन्होंने मेटों को ऐप के संचालन और नेटवर्क की समस्याओं के समाधान के बारे में विस्तार से समझाया। प्रशासन का लक्ष्य है कि 23 फरवरी से जब यह व्यवस्था लागू हो, तो ग्राम पंचायतों में उपस्थिति दर्ज करने के दौरान किसी भी प्रकार का तकनीकी अवरुद्ध उत्पन्न न हो।

प्रशिक्षण में पूरी टीम रही मौजूद

इस प्रशिक्षण सत्र में जनपद की मनरेगा टीम सहित विकासखंड के सभी मेट उपस्थित रहे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि फेस आधारित अटेंडेंस न केवल पारदर्शिता बढ़ाएगी, बल्कि इससे भुगतान प्रक्रिया में भी तेजी आएगी। सभी मेटों को निर्देश दिए गए हैं कि वे कार्यस्थल पर समय पर पहुंचकर नियमों के अनुसार मजदूरों की डिजिटल उपस्थिति सुनिश्चित करें।

थाने के सामने से बाइक पार, सीसीटीवी में कैद हुआ चोर

पुलिस को चुनौती, नारायणगंज में फिर हुई चोरी की वारदात

नारायणगंज। नगर में बेलगाम होते जा रहे चोरों ने अब पुलिस की मुस्तैदी पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। टिकरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत थाने के बिल्कुल सामने स्थित एक घर के आंगन से अज्ञात चोर ने बीती रात मोटरसाइकिल पार कर दी। चोरी की यह पूरी वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

जानकारी अनुसार घटना 19 फरवरी की रात लगभग 12 बजे की है। अज्ञात चोर फरियादी के घर के आंगन में घुसा और वहां खड़ी मोटरसाइकिल वाहन क्रमांक टीएस 13 ईजेड 3572 लेकर रफूचक्कर हो गया। पीड़ित ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए चोरी की घटना बताई है। बताया गया कि घटना स्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में संदिग्ध चोर की गतिविधियां साफ दिखाई दे रही हैं। इसके बावजूद पुलिस अब तक आरोपी का सुराग लगाने में नाकाम रही है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि जब थाने के सामने ही लोग सुरक्षित नहीं हैं, तो अन्य वार्डों की स्थिति क्या होगी।

नगरवासियों में बढ़ता आक्रोश

नारायणगंज क्षेत्र में पिछले कुछ समय से चोरी की घटनाओं में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। पूर्व में हुई कई चोरियों के मामलों में भी अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस की इस सुस्त कार्यप्रणाली से नगरवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि गश्त बढ़ाई जाए और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर बाइक बरामद की जाए। पुलिस ने फिलहाल आवेदन लेकर जांच शुरू कर दी है, लेकिन बढ़ते अपराधों ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है।

नैनपुर को पुन : विधानसभा बनाने अब होगा जन आंदोलन

विधानसभा बहाली के लिए लामबंद हुए सभी समाज और दल

नैनपुर। नैनपुर विधानसभा के अस्तित्व को मिटाए जाने का मलाल अब एक बड़े जन आंदोलन की शक्ल ले रहा है। आगामी परिसीमन में नैनपुर को पुनः विधानसभा क्षेत्र घोषित कराने की मांग को लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, अधिवक्ता, व्यापारी और मीडिया जगत के लोग लामबंद हो गए हैं। नगर पालिका परिसर में आयोजित नैनपुर सर्वांगीण विकास परिषद की बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव लिया गया कि अब चुप बैठने का समय निकल चुका है, अब हक की लड़ाई सड़क पर लड़ी जाएगी।

परिषद के अध्यक्ष विमलेश सोनी ने नैनपुर विधानसभा की रूपरेखा रखते हुए बताया कि 2011 में ही नैनपुर तहसील की जनसंख्या 1.57 लाख थी, जो अब बढ़कर 2 लाख के पार पहुँच चुकी है। मप्र में इससे कम जनसंख्या वाली भी विधानसभाएं हैं। ब्रॉडगेज जंक्शन होने के नाते नैनपुर की कनेक्टिविटी पूरे देश से है, ऐसे में विधानसभा बहाली विकास का पहिया घुमाने के लिए अनिवार्य है।

पूर्व विधायक डॉ. शिवराज सिंह ने कहा कि मोचा, नारा, दिवारा जैसे ग्राम जो पुरानी विधानसभा का हिस्सा थे, वे आज भी नैनपुर के साथ जुड़ना चाहते हैं। इसके लिए ग्राम और जनपद स्तर पर प्रस्ताव पारित किए जाने चाहिए। पूर्व विधायक संजीव उईके ने नैनपुर के गौरव की बात करते हुए कहा कि जंक्शन की महत्ता के आधार पर विधानसभा का पुनर्जीवित होना जरूरी है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कमलेश सिंह ने कहा कि पार्टी इस हक की लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़ी है।

साजिश के तहत अस्तित्व मिटाने का आरोप

पार्षद मोहित कांत झरिया ने इसे एक राजनीतिक साजिश बताया। वहीं बीएसपी के इंदर सिंह ने कहा कि विधानसभा न होने से आदिवासी क्षेत्र का विकास रुक गया है। वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश शुक्ला ने स्पष्ट किया कि नैनपुर अब अपना विघटन बर्दाश्त नहीं करेगा।

हर वर्ग का मिला समर्थन

अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा ने किसी भी कानूनी लड़ाई के लिए वकीलों के पूर्ण सहयोग का वादा किया। व्यापारी व सिंधी समाज के अध्यक्ष चंद्र कुमार नागपाल ने कहा कि आने वाली पीढ़ी के रोजगार और नैनपुर के विकास के लिए व्यापारी संगठन तन-मन-धन से साथ हैं। पत्रकार संघ के अध्यक्ष सत्येंद्र तिवारी ने कहा कि अब कदम आगे बढ़ चुके हैं, पीछे हटना संभव नहीं है। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि नैनपुर विस को पुनर्जीवित करने यदि सरकार इस न्यायोचित मांग को अनसुना करती है, तो पूरा क्षेत्र जन आंदोलन की राह पकड़ेगा। बैठक में सरजू तिवारी, धर्मेश तिवारी, डॉ. सुरेंद्र बरकड़े, नितिन ठाकुर सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

निवास। तहसील मुख्यालय निवास के समीपवर्ती ग्राम मझगांव में शनिवार से सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य शुभारंभ हुआ। इस धार्मिक आयोजन के पहले दिन ग्राम में विशाल कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें पूरा गांव भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया।

कथा के प्रथम दिन आयोजित कलश यात्रा में बड़ी संख्या में माताएं-बहनें सिर पर मंगल कलश धारण कर सम्मिलित हुईं। बैंड-बाजों की मधुर धुन और जयकारों के बीच निकाली गई इस यात्रा में युवाओं ने आतिशबाजी कर उत्साह प्रकट किया। कलश यात्रा कथा स्थल से प्रारंभ होकर ग्राम के प्रमुख मार्गों से होते हुए प्रसिद्ध खेरमाई मंदिर परिसर पहुंची। यहाँ माता रानी के दरबार में विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर कथा के निर्विघ्न संपन्न होने हेतु आवाहन किया गया। संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का वाचन प्रसिद्ध कथा वाचक पंडित उदय प्रकाश पांडे शास्त्री (नदावन वाले) के मुखारविंद से किया जा रहा है। उन्होंने प्रथम दिन भागवत महात्म्य पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति मार्ग से जुड़ने की प्रेरणा दी। आयोजन समिति ने बताया कि यह कथा आगामी सात दिनों तक निरंतर चलेगी। कथा का विधिवत समापन 28 फरवरी को पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ होगा। ग्राम मझगांव और आसपास के क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने इस धर्म लाभ को प्राप्त करने के लिए कथा स्थल पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

बोरिया में ग्रामीणों को सुरक्षा और साइबर अपराध के प्रति किया जागरूक

नारायणगंज। मेरा गांव, मेरी बीट अभियान के अंतर्गत थाना टिकरिया पुलिस द्वारा ग्राम बोरिया में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। माइक्रोबीट प्रणाली पर आधारित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और नागरिकों को अपराधों के प्रति सचेत करना था।

थाना प्रभारी प्रदीप पांडे के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस टीम ने ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। दो-पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने की अनिवार्यता पर जोर देते हुए बताया गया कि यह जीवन रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही समाज को खोखला कर रहे नशे के दुष्परिणामों पर चर्चा करते हुए ग्रामीणों से नशा मुक्त समाज बनाने में सहयोग की अपील की गई।

बढ़ते ऑनलाइन अपराधों को देखते हुए पुलिस ने ग्रामीणों को साइबर सुरक्षा के विशेष टिप्स दिए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि किसी भी अनजान व्यक्ति को अपना ओटीपी साझा न करें। संदिग्ध कॉल या अज्ञात लिंक पर क्लिक करने से बचें। साइबर फ्रॉड होने की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचित करें।

ग्रामीण करेंगे पुलिस प्रशासन का सहयोग- महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम पर चर्चा करते हुए पुलिस ने बालिकाओं और महिलाओं की सुरक्षा हेतु किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना बिना डरे पुलिस को देने की बात कही। ग्रामीणों ने पुलिस की इस माइक्रोबीट कार्यप्रणाली की सराहना की और विश्वास दिलाया कि वे एक सुरक्षित समाज के निर्माण में पुलिस प्रशासन का पूर्ण

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बयान पर मचा बवाल

नैनपुर में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन, पुतला दहन के दौरान पुलिस से हुई झूमाझपटी

नैनपुर। मध्य प्रदेश विधानसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच हुई तीखी नोकझोंक की गूंज अब सड़कों पर सुनाई दे रही है। प्रदेश सरकार के कद्दावर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के खिलाफ की गई अशोभनीय टिप्पणी के विरोध में आज नैनपुर में कांग्रेस ने उग्र प्रदर्शन किया। नगर, ब्लॉक और युवा कांग्रेस के संयुक्त तत्वाधान में रेस्ट हाउस के सामने मंत्री विजयवर्गीय का पुतला दहन किया गया।

पुतला दहन के दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। जैसे ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुतले में आग लगाई, पुलिस प्रशासन ने नगर पालिका के दमकल वाहन से पानी की बौछार कर पुतले को बचाने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच काफी देर तक झूमाझटकी होती रही, जिसके बाद पुलिस ने अधजले पुतले को अपने संरक्षण में ले लिया।

बताया गया कि विधानसभा सत्र के दौरान बहस के समय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को औकात में रहो कह दिया था। इस पर पलटवार करते हुए सिंघार ने कहा था कि मेरी औकात प्रदेश की 7.5 करोड़ जनता के सवालों को अहंकारी सत्ता के सामने मुखरता से रखने की है। हालांकि विवाद बढ़ने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सदन में माफी मांगी और विजयवर्गीय ने भी अपने व्यवहार पर खेद जताते हुए सिंघार को छोटे भाई जैसा बताया, लेकिन कांग्रेस इस अपमान को लेकर अब भी हमलावर है।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सत्ता के नशे में चूर मंत्री भाषाई मर्यादा भूल चुके हैं। एक आदिवासी नेता और नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ ऐसी भाषा का प्रयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस और ब्लॉक कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

संगठन को मजबूती देने के लिए तहसील समिति का हुआ गठन

गायत्री परिवार की जिला स्तरीय बैठक नारायणगंज में आयोजित

नारायणगंज। नारायणगंज विकासखंड में अखिल विश्व गायत्री परिवार की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला और तहसील स्तर के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने शिरकत की, जिसका मुख्य उद्देश्य मिशन की गतिविधियों का विस्तार करना और संगठन को निचले स्तर तक सक्रिय बनाना था। जिसको लेकर गहन अध्ययन और मनन किया गया।

बैठक में जिला संयोजक हरिकेश दुबे ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसी क्रम में तहसील समिति का गठन किया गया और नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई।

नियमित बैठक का लिया गया निर्णय

बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि भविष्य में संगठन की कार्यप्रणाली को सुचारु रखने के लिए हर प्रज्ञा पीठ और शक्तिपीठ में अनिवार्य रूप से मासिक संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे स्थानीय स्तर की समस्याओं का निराकरण होगा और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने में सुगमता होगी।

वरिष्ठजनों ने साझा किये अपने विचार

संगठनात्मक बैठक के दौरान गायत्री शक्ति मंडल से संदीप साहू, सहायक मुख्य प्रबंध ट्रस्टी एस मरकाम, पूर्व मुख्य प्रबंध ट्रस्टी (मंडला) रामजी चंदेल, जयंत वर्मा, रजत और उत्तम चंद्रमा काले सहित अन्य वरिष्ठ जनों ने अपने विचार साझा किए। सभी पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से समाज उत्थान और आध्यात्मिक चेतना के प्रसार का संकल्प दोहराया। कार्यकारिणी के नवनियुक्त सदस्यों ने विश्वास दिलाया कि वे पूरी निष्ठा के साथ गायत्री परिवार के सेवा कार्यों को आगे बढ़ाएंगे।

बोर्ड परीक्षा के बीच छात्रावास से भागे दो छात्र

एकलव्य आवासीय विद्यालय पिपराडी का मामला, पुलिस ने खोजकर परिजनों को सौंपा

शहपुरा, नवभारत। शहपुरा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पिपराडी स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय छात्रावास से कक्षा 10वीं के दो छात्रों के देर रात छात्रावास से भाग जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना ने विद्यालय प्रबंधन और शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, दोनों छात्र बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं। इसी बीच रात के समय वे छात्रावास से बिना अनुमति निकल गए। घटना की जानकारी मिलते ही विद्यालय प्रबंधन ने अगले दिन थाना शहपुरा में सूचना दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए खोजबीन शुरू की और दोनों छात्रों को सुरक्षित दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

सबसे बड़ा प्रश्न यह उठ रहा है कि छात्रावास में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, वार्डन और निगरानी स्टाफ की मौजूदगी के बावजूद आखिर छात्र रात में बाहर कैसे निकल गए? क्या सुरक्षा में चूक हुई? क्या गेट, बाउंड्री या निगरानी व्यवस्था में कहीं ढिलाई थी? आखिर क्यों भागे छात्र? घटना के पीछे संभावित कारणों को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। क्या परीक्षा का मानसिक दबाव था, क्या छात्रावास में अनुशासनात्मक कठोरता से छात्र परेशान थे, क्या भोजन, व्यवहार या अन्य व्यवस्थाओं को लेकर असंतोष था या फिर कोई व्यक्तिगत कारण रहा। हालांकि अभी तक आधिकारिक रूप से भागने की स्पष्ट वजह सामने नहीं आई है, लेकिन परीक्षा जैसे संवेदनशील समय में इस प्रकार की घटना शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।

अभिभावको ने उठाई जांच की मांग

स्थानीयजन और अभिभावकों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। फिलहाल पुलिस और शिक्षा विभाग मामले की जांच में जुटे हैं। अब देखना यह होगा कि जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और जिम्मेदारी किसकी तय होती है।

इनका कहना है

सुबह एकलव्य आवासीय विद्यालय शहपुरा के प्राचार्य ने मुझे फोन के माध्यम से जानकारी दी कि दो छात्र छात्रावास से देर रात भाग गए हैं जिसको देखते हुए तत्काल हमने टीम गठित कर दोनों बच्चों को शहपुरा से दस्ताब कर परिजनों को सौंप दिया है।

अनुराग जामदार
थाना प्रभारी, शहपुरा